कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात

प्रिलिम्स के लिये:

कृषि एवं खाद्य उद्योग और निर्यात, कृषि निर्यात नीति 2018, बी 2 बी प्रदर्शनी, जीआई टैग, एपीडा।

मेन्स के लिये:

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को बढ़ावा देना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (DGCI&S)** ने मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जुलाई 2022-23) के लिये भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात के आँकड़े जारी किये हैं।

- वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत DGCI&S, भारत के व्यापार सांख्यिकी और वाणिज्यिक सूचना के संग्रह, संकलन और प्रसार के लिये अग्रणी आधिकारिक संगठन है।

निष्कर्ष:

- कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में चालू वित्त वर्ष (2022-23) के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) के दौरान पिछले वर्ष (2021-22) की समान अवधि की तुलना में 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- वर्ष 2022-23 के लिये कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की टोकरी हेतु 23.56 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- इस अवधि के दौरान फलों और सब्जियों के निर्यात में 4% की वृद्धि दर्ज की गई।
- बासमती चावल के निर्यात में 29.13% की वृद्धि देखी गई।
- समीक्षाधीन अवधि के दौरान गैर-बासमती चावल का निर्यात 9.24% बढ़कर 2.08 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- डेयरी उत्पादों के निर्यात में 61.91% की वृद्धि के साथ यह 247 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

कृषि, खाद्य उद्योग और निर्यात परिदृश्य:

- **परिचय:**
  - कृषि क्षेत्र भारत में आजीविका का सबसे बड़ा स्रोत है। भारत दुनिया में कृषि और खाद्य उत्पादों के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।
    - वर्ष 2021-22 में भारत की कृषि क्षेत्र की विकास दर **पिछले वर्ष के 3.6% की तुलना में 3.9% होने** का अनुमान है।
  - भारत **चावल, गेहूँ, दालें, तिलहन, कॉफी, जूट, गन्ना, चाय, तंबाकू, मूँगफली, डेयरी उत्पाद, फल** आदि जैसे कई फसलों और खाद्यान्न का उत्पादन करता है।
  - भारत का कृषि क्षेत्र मुख्य रूप से **कृषि और संबद्ध उत्पादों, समुद्री उत्पादों, वृक्षारोपण एवं कपड़ा और संबद्ध उत्पादों** का निर्यात करता है।
- **सांख्यिकी:**
  - वर्ष 2021-22 के दौरान भारत ने **कुल कृषि निर्यात में 49.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का व्यापार किया, जिसमें वर्ष 2020-21 में 41.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में **20% की वृद्धि** हुई।
  - कृषि और संबद्ध उत्पादों के निर्यात का मूल्य 37.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो वर्ष 2020-21 में 17% की वृद्धि दर्शाता है।
  - **चावल** भारत से सबसे ज़्यादा निर्यात किया जाने वाला कृषि उत्पाद है जिसका वर्ष 2021-22 के दौरान कुल कृषि निर्यात में 19% से अधिक का योगदान है।
- **निर्यात गंतव्य:**
  - भारत के कृषि उत्पादों के सबसे बड़े आयातक **अमेरिका, बांग्लादेश, चीन, संयुक्त अरब अमीरात,** इंडोनेशिया, वियतनाम, सऊदी अरब,

ईरान, नेपाल और मलेशिया हैं।
- अन्य आयात करने वाले देश **कोरिया, जापान, इटली और यूनाइटेड किंगडम** हैं।
- वर्ष 2021-22 के दौरान **संयुक्त राज्य अमेरिका भारतीय कृषि उत्पादों का सबसे बड़ा आयातक** था।
- संयुक्त अरब अमीरात के बाद **बांग्लादेश कृषि और संबद्ध उत्पादों का प्रमुख आयातक** है।
- अमेरिका तथा चीन भारत के **समुद्री उत्पादों के प्रमुख आयातक** हैं।

वृद्धि के प्रमुख कारक:

- **B2B प्रदर्शनियाँ:**
  - कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न पहलें की गई हैं जैसे कि विभिन्न देशों में **B2B (बिज़नेस टू बिज़नेस) प्रदर्शनियों का आयोजन, भारतीय दूतावासों की सक्रिय भागीदारी द्वारा उत्पाद-विशिष्ट और सामान्य विपणन अभियानों** के माध्यम से नए संभावित बाज़ारों की खोज करना।
- **कृषि निर्यात नीति, 2018:**
  - AEP का मुख्य उद्देश्य **निर्यात बास्केट और गंतव्यों में विविधता लाना, उच्च मूल्यवर्द्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा देना, स्वदेशी, जैविक, पारंपरिक और गैर-पारंपरिक कृषि उत्पादों** के निर्यात को बढ़ावा देना है।
- **वित्तीय सहायता योजना:**
  - यह APEDA द्वारा निर्यात प्रोत्साहन योजना है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य निर्यात बुनियादी ढाँचे के विकास, गुणवत्ता विकास और बाज़ार विकास में व्यवसायों की सहायता करना है।
- **कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA):**
  - भारतीय शराब के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये **कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA)** ने लंदन वाइन फेयर में 10 शराब निर्यातकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की।
- **GI और अन्य पहल:**
  - संयुक्त अरब अमीरात के साथ कृषि और खाद्य उत्पादों पर एवं संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हस्तशिल्प सहित GI उत्पादों पर वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन कर भारत में पंजीकृत **भौगोलिक संकेतक (GI)** वाले उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये भी कई पहलें की गई हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन पिछले पाँच वर्षों में विश्व में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक रहा है? (2019)

(a) चीन
(b) भारत
(c) म्याँमार
(d) वियतनाम

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत इस दशक की शुरुआत से दुनिया का शीर्ष चावल निर्यातक रहा है, जिसका मुख्य कारण वर्ष 2011 में भारत सरकार द्वारा चावल की गैर-बासमती किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंध हटाना है।
- भारत वर्ष 2011-12 में थाईलैंड की जगह दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक बन गया।

अतः विकल्प (b) सही है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/agricultural-and-processed-food-exports